तेल कंपनियों ने एथेनॉल खरीद निविदाएं रद्द कीं

दिलीप कुमार झा
मुंबई, 7 दिसंबर

कच्चे तेल की घटती कीमतों का सबसे पहले देश की चीनी मिलों पर असर पड़ा है, क्योंकि तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने 120 करोड़ लीटर एथेनॉल खरीद की निविदाएं रद्द कर दी हैं। ओएमसी एथेनॉल की कीमत में कटौती की मांग कर रही हैं।

तेल विपणन कंपनियों ने चीनी मिलों से 156 करोड़ लीटर एथेनॉल खरीदने के लिए जुलाई में निविदा जारी की थी। लेकिन चीनी मिलों ने 62 करोड़ लीटर की आपूर्ति की पेशकश की थी। तेल विपणन कंपनियों ने 47.5 रुपये प्रति लीटर कीमत पर मिलों से 35 करोड़ लीटर एथेनॉल खरीद स्वीकार भी कर ली थी।

उस समय कच्चे तेल की कीमत 114 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बनी हुई थीं। उसके बाद कच्चे तेल की कीमतें करीब 37 फीसदी गिर चुकी हैं और अब ये 72 डॉलर प्रति बैरल के आसपास हैं। इससे एथेनॉल की कीमत पर फिर से सौदेबाजी करने के लिए तेल विपणन कंपनियों का पक्ष मजबूत हुआ है। 35 करोड़ लीटर एथेनॉल के लिए पहले ही नियम एवं शर्तें तय हो चुकी हैं, इसलिए तेल विपणन कंपनियां उन्हें नहीं बदल सकतीं।

उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हमने तेल विपणन कंपनियों से आग्रह किया है कि वे अक्टूबर में जारी 120 करोड़ लीटर की निविदा की शेष खरीद के लिए अभिरुचि पत्र जारी करें। अभिरुचि पत्र 11 नवंबर को खुलने थे, जिन्हें चीनी मिलों को मौखिक इतला कर रद्द कर दिया गया है। चीनी मिलों से कहा गया है कि अगर वे एथेनॉल की कीमत घटाकर 37-38 रुपये प्रति लीटर करने को तैयार हैं तो तेल विपणन कंपनियां खरीद के बारे में विचार कर सकती हैं।'

जुलाई में शीरे की कीमत 5,500 रुपये प्रति टन थी, जो 31 फीसदी घटकर 3,800 रुपये प्रति टन पर आ गई है। वहीं एक्सट्रा न्यूट्रल एल्कोहल (ईएनए) की कीमतें भी 4-5 रुपये प्रति लीटर घटकर 39 रुपये प्रति लीटर पर आ गई हैं जबकि औद्योगिक एल्कोहल गिरावट के बाद 31-32 रुपये प्रति लीटर पर आ गया है। एथेनॉल की उत्पादन लागत 34-35 रुपये प्रति लीटर होगी, जो तेल विपणन कंपनियों की कीमत पेशकश 32-33 रुपये प्रति लीटर से ज्यादा है। देसाई ने कहा, 'इस तरह औद्योगिक एल्कोहल को बेचना ज्यादा फायदेमंद है, बजाय इसे एथेनॉल में बदलकर कम कीमत पर तेल विपणन कंपनियों को बेचने से।

पहले चीनी मिलें एथेनॉल की कीमत 42-43 रुपये मांग रही थीं। ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन के महानिदेशक वी एन रैना ने सवाल उठाया, 'कोई मिल कैसे तेल विपणन कंपनियों को घाटा उठाकर एथेनॉल की आपूर्ति कर सकती है, जब अन्य मौके उपलब्ध हैं?' उन्होंने कहा, 'कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट से चीनी मिलें कीमतों पर सौदेबाजी करने की स्थिति में नहीं रह गई हैं।'

कड़ी सौदेबाजी

- ओएमसी एथेनॉल की कीमत में कटौती की कर रही हैं मांग
- कच्चे तेल के दामों में कमी से तेल विपणन कंपनियां एथेनॉल कीमतों पर कर रही हैं कड़ी सौदेबाजी

Business Standard
8/12/14